हिन्दी अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
एम.ए. प्रथम सिमेस्टर
सत्र 2018–19
CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXMAINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(2)हिन्दी साहित्य का इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(4) भारतीय साहित्य	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(5) राजभाषा प्रशिक्षण	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(6) भाषा शिक्षण	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-1-	Entretpreneurship Development	4	4Hrs	48	32	80
	P-1	Seminar	2	2Hrs			40
	CVV-1	Comprehensive viva-Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	**30**				**600**

Note :

CORE COURSE - (CCT)

CORE ELECTIVE COURSE - (ECT)

PRACTICAL - (P)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE - (CVV)

नोट – 1 विषय समूह CCT - 1, CCT - 2, CCT - 3 लेना अनिवार्य है।

नोट – 2 विषय समूह ECT -1 (1), ECT - 1(2), ECT - 1(3), ECT - 1(4), ECT - 1(5), ECT - 1(6) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

Received on 04/12/18

हिन्दी अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
एम.ए. द्वितीय सिमेस्टर
सत्र 2018–19
CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXMAINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-4	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-5	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-6	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(2)हिन्दी साहित्य का इतिहास	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(4) भारतीय साहित्य	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(5) राजभाषा प्रशिक्षण	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(6) भाषा शिक्षण	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-2	communication Skills	4	4Hrs	48	32	80
	P-2	Group Disscution	2	2Hrs			40
	CVV- 2	Comprehensive viva-Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	**30**				**600**

Note :

CORE COURSE - (CCT)

CORE ELECTIVE COURSE - (ECT)

PRACTICAL - (P)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE - (CVV)

नोट – 1 विषय समूह CCT - 4, CCT - 5, CCT - 6 लेना अनिवार्य है।

नोट – 2 विषय समूह ECT - 2 (1), ECT - 2 (2), ECT - 2 (3), ECT - 2 (4), ECT - 2 (5), ECT - 2 (6) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

एम.ए. हिन्दी

प्रथम सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

सत्र 2018–2019

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2018–2019

CCT – 1 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

CCT – 2 - आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

CCT – 3 - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र।

ECT – 1 - (1) प्रयोजनमूलक हिन्दी।

ECT – 1 - (2) हिन्दी साहित्य का इतिहास ।

ECT – 1 - (3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द।

ECT – 1 - (4) भारतीय साहित्य।

ECT – 1 - (5) राजभाषा–प्रशिक्षण।

ECT – 1 - (6) भाषाशिक्षण।

EDC - 1 - Entretpreneurship Development

P - 1 - Seminar

CVV - 1 - Comprehensive viva-Voce (Virtual)

CCT - 1

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 व्याख्यांश –

1 **विद्यापति** विद्यापति – (सम्पादक) डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल
पद क्रमांक–1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36 और 39 (20 पद)

2 **कबीर** कबीर ग्रंथावली – (सम्पादक) डॉ. माता प्रसाद गुप्त
गुरुदेव कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) ज्ञान विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), परचा कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10),
पद क्रमांक – 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70 (दस पद)

इकाई – 2 व्याख्यांश – **जायसी**
पदमावत – (व्याख्याकार) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
(मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 3 विद्यापति और कबीर से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4
1 जायसी से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।
2 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से सम्बन्धित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि–चंदबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास और नामदेव से सम्बन्धित लघूत्तरीय प्रश्न।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से सम्बद्ध होंगे (आन्तरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. विद्यापति – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2. विद्यापति विभा – डॉ. वीरेन्द्रकुमार बड़सूवाला
3. विद्यापति पदावली – (सम्पादक और अनुवादक) आनन्द केंटिश कुमारस्वामी और अरुण सेन (भूमिका लेखक) डॉ. विद्यानिवास मिश्र
4. विद्यापतिका – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. विद्यापति पदावली – (सम्पादक) रामवृक्ष बेनीपुरी
6. विद्यापति – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. विद्यापति – रमानाथ झा (अनुवादक) महेन्द्रकुमार वर्मा
8. कबीर – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
9. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
10. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
11. कबीर वचनामृत – डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
12. कबीर वाङ्मय (तीन भाग) – (सम्पादक) जयदेव सिंह और वासुदेव सिंह

13. कबीर – प्रभाकर माचवे
14. कबीर : एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा
15. जायसी ग्रन्थावली – (सम्पादक) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16. जायसी – रामपूजन तिवारी
17. जायसी – परमानन्द श्रीवास्तव
18. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
19. सन्त साहित्य के प्रेरणास्रोत – परशुराम चतुर्वेदी
20. सन्त साहित्य – डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल
21. सूफ़ीमत और हिन्दी साहित्य – डॉ. विमलकुमार जैन
22. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
23. हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
24. उत्तर भारत की सन्त परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
25. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
26. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
27. नामदेव – माधव गोपाल देशमुख (अनुवादक) प्रभाकर माचवे
28. खुसरो की हिन्दी कविता – (सम्पादक) ब्रजरत्नदास
29. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्य – गोपीचन्द्र नारंग (अनुवादक) नूर नबी अब्बासी
31. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ. नामवर सिंह
32. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ. नामवर सिंह
33. चंदबरदाई – शांता सिंह

CCT - 2

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 व्याख्यांश – 1 स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

2 आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई – 2 व्याख्यांश : गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 3 स्कन्दगुप्त और आधे अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 गोदान से आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी नाटक, रंगमंच, उपन्यास के इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध 5 लघूत्तरीय प्रश्न होंगे।

1 **नाटककार** – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2 **उपन्यासकार** – जैनेंद्र कुमार, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी और मन्नू भंडारी।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा।
2. कमल का सिपाही – अमृत राय।
3. प्रेमचन्द – सं. विश्वनाथप्रसाद तिवारी।
4. प्रेमचन्द – सत्येन्द्र।
5. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
7. द्वितीय समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
8. अमृतलाल नागर एवं अमृत और विष – डॉ. हरिमोहन बुधौलिया।
9. भारतेन्दु का नाट्य–साहित्य – डॉ. वीरेन्द्रकुमार शुक्ल।
10. भारतेन्द्रयुगीन नाट्य–साहित्य – डॉ. भानुदेव शुक्ल।
11. प्रसाद : नाट्य और रंग शिल्प – डॉ. गोविन्द चातक।
12. प्रसाद के नाटकों की पुनर्रचना – डॉ. सिद्धनाथकुमार।
13. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचंद्र जोशी।
14. हिन्दी नाट्क और रंगमंचः पहचान और परख – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
15. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन।
16. आज का हिन्दी नाटक : प्रगाति और प्रभाव – डॉ. दशरथ ओझा।

17. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा।
18. समकालीन हिन्दी रंग नाटक – डॉ. विनय।
19. आज के हिन्दी नाटक – डॉ. जयदेव तनेजा।
20. रंगमंच सरोकार – डॉ. पवनकुमार मिश्र।
21. प्रसाद के नाटक – परमेश्वरीलाल गुप्त।
22. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन।
23. संस्कृत और हिन्दी नाटक – रचना एवं रंगकर्म – डॉ. जयकुमार जलज।
24. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास – प्रो. बी.एल. आच्छा

CCT - 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन और काव्य–प्रभेद।

इकाई – 2 रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अंलकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 3 रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई – 4 ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

रीतिकालीन कवि – आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण, काव्य परंपरा एवं कवि–शिक्षा।

इकाई – 5 आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी/सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र।

2 भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. उदयभानु सिंह।

3 हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – संपा. डॉ. भगीरथ मिश्र।

4 भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

5 साहित्य सिद्वान्त – डॉ. रामअवध द्विवेदी।

6 रीतिकाल के प्रमुख आचार्य – डॉ. सत्यदेव चौधरी।

7 हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।

8 हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी।

9 हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल।

10 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा ।

11 रस–सिद्वान्त – डॉ. नगेन्द्र

12 विश्वेश्वर से महाकालेश्वर (आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ) संपा. डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. जगदीश शर्मा।

13 भारतीय काव्य–विमर्श – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

14 अर्द्धशती का भारतीय काव्य : विपक्ष और पक्ष – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

16 शब्दशक्ति सम्बन्धी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्यशास्त्र – डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

17 सर्जनात्मक भाषा और आलोचना – डॉ. बी.एल.आच्छा।

ECT - 1

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई 1 कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई 2 पारिभाषिक शब्दावली

1 पारिभाषिक शब्द : परिभाषा, विशेषताएँ और प्रकार।

2 पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत।

3 पारिभाषिक शब्दावली : उदाहरण एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई 3 हिन्दी कम्प्यूटिंग

1 कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।

2 इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रख–रखार एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

3 वेब पब्लिकेशन।

4 इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप कम्प्यूनिकेटर।

5 लिंक, ब्राउजिंग, पोर्टल, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई 4 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2 हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
3 समाचार–लेखन कला।
4 संपादन के आधारभूत तत्त्व।
5 व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई 5 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन।
2 संपादकीय लेखन
3 पृष्ठसज्जा
4 साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन
5 प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार–संहिता।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोककुमार रस्तोगी।
2 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक सन्दर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।
3 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

4 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

5 व्यावहारिक हिन्दी – महेन्द्र मितल।

6 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।

7 हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र।

8 मध्यप्रदेश में पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास – डॉ. विजयदत्त श्रीधर।

9 मालवा की हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. मोहन परमार।

10 आधुनिक पत्रकार कला – रा.ट. खण्डेलकर।

11 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

12 आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

13 सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

14 पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. भोलानाथ तिवारी और डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी

15 प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार – डॉ. राजेन्द्र मिश्र

ECT - 1

(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य–साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई–4 राम और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई–5 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) – प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेन्द्र
4 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन – नलिनविलोचन शर्मा
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6 हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 हिन्दी काव्य का इतिहास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

ECT - 1

(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 **व्याख्यांश** – गोदान

इकाई–2 **व्याख्यांश** – कहानियाँ : बूढ़ी काकी, बड़े भाई साहब, शतरंज के खिलाड़ी, ठाकुर का कुआँ, पंच परमेश्वर और मंत्र।

इकाई–3 1 प्रेमचन्द का जीवनवृत्त, रचनासंसार और युगीन परिवेश।

2 प्रेमचन्द की निर्धारित कहानियों से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 गोदान से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी उपन्यास की परम्परा और प्रेमचन्द।

इकाई–5 द्रुतपाठ – विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', भगवतीप्रसाद वाजपेयी, वृन्दावनलाल वर्मा।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रेमचन्द एक विवेचन – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।

2 प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरु।

3 कलम का मजदूर : प्रेमचन्द–मदनगोपाल।

4 प्रेमचन्द एक विवेचन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।

5 प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा।

6 प्रेमचन्द – डॉ. गंगाप्रसाद विमल।

7 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।

8 कमल का सिपाही – अमृत राय।

9 प्रेमचन्द और उनका साहित्य – डॉ. शीला गुप्त।

10 प्रेमचन्द की हिन्दी – उर्दू कहानियाँ – डॉ. कमलकिशोर गोयनका।

11 आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचन्द – सत्यकाम।

12 प्रेमचन्द : विरासत का सवाल – डॉ. शिवकुमार मिश्र।

13 प्रेमचन्द – प्रकाशचंद्र गुप्त।

14 गोदान – संपा. राजेश्वर गुरु।

ECT - 1

(4) भारतीय साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 भारतीय साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप।
भारतीय साहित्य के प्रमुख अभिलक्षण।
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई–2 भारतीय साहित्य में आज के भारत के बिम्ब।
भारतीयता का समाजशास्त्र।
हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

इकाई–3 उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का अध्ययन–**काव्य**।

इकाई–4 उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का अध्ययन – **गद्य साहित्य**।

इकाई–5 **उपन्यास : अग्निगर्भ (बाङ्ला) – महाश्वेता देवी**
(इस उपन्यास से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :– लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 भारतीय साहित्य – संपा. डॉ. नगेन्द्र।
2 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – संपा डॉ. नगेन्द्र।
3 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्द्रनाथ चौधुरी।
4 भारतीय नाटक एवं रंगमंच – संपा. जगदीश चतुर्वेदी।
5 हिन्दी और मलयालम के दो सिम्बॉलिक (प्रतीकवादी) कवि – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
6 साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
7 भारतीय वाङ्मय – डॉ. नगेन्द्र।
8 भारतीय साहित्य और कलाएँ – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
9 मलयालम साहित्य : परख और पहचान – डॉ. आरसु।
10 मराठी साहित्य : परिदृश्य – डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर।
11 उर्दू कविता – फिराक गोरखपुरी।
12 उर्दू की इश्किया शायरी – फिराक गोरखपुरी।
13 नजीर की बानी – फिराक गोरखपुरी।
14 हिन्दी एवं कन्नड़ साहित्य की प्रमुख धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एन.एस. कृष्णमूर्ति।

ECT - 1

(5) राजभाषा प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 प्रशासन–व्यवस्था और भाषा।
भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता।

इकाई–2 राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति।
राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान।

इकाई–3 राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 340 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952,1955,1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा–संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र।

इकाई–4 हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी।

इकाई–5 हिन्दी के प्रचार–प्रचार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :– लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा
दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 विश्वभाषा हिन्दी – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी।

2 राजभाषा हिन्दी – भोलानाथ तिवारी।

3 हिन्दी : सदियों से राजकाज में – महेशचन्द्र गुप्त।

4 कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल।

5 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।

6 व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

7 राजभाषा सहायिका – अवधेशमोहन गुप्त

8 राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश।

9 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।

10 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोकुमार रस्तोगी।

11 बैंकों में प्रयोगशील हिन्दी – अनिलकुमार तिवारी।

12 बैंकों में हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

13 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

14 हिन्दी की आधारभूत शब्दावली – वी.रा. जगन्नाथन्।

15 प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

16 व्यावहसायिक हिन्दी – महेन्द्र चतुर्वेदी और भोलानाथ तिवारी

17 देवनागरी विमर्श – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

ECT - 1

(6) भाषाशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 भाषा–शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप।

भाषा–शिक्षण के सिद्धांत : उद्दीपन–अनुक्रिया पुर्नबलन सिद्धांत माध्यमीकरण, अन्तर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास।

इकाई–2 भाषा–शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकारः मातृभाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा।

मातृभाषा–शिक्षण और अन्य भाषा–शिक्षण में अन्तर, द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा–शिक्षण।

इकाई–3 भाषा–शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण–अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण–भाषण विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, सम्प्रेषणात्मक विधि।

इकाई–4 भाषा–कौशल और उनका विकास : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरूप और उनमें योग्यता – प्राप्ति के विविध सोपान।

इकाई–5 भाषा–शिक्षण में उपयोगी साधन–सामग्री : औपचारिक भाषा–शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा–प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा–शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी व्याकरण – काशीराम शर्मा
2 हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3 भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4 आधुनिक हिन्दी प्रयोग कोश – डॉ. बदरीनाथ कपूर
5 मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग – रमेशचन्द्र महरोत्रा
6 हिन्दी में अशुद्धियाँ – रमेशचन्द्र महरोत्रा
7 सम्प्रेषणमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
8 प्रयोगात्मक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
9 भाषा : संरचना एवं प्रयोग – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
10 प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
11 मानक हिन्दी : संकल्पना और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
12 मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
13 हिन्दी की मानक वर्तनी – कैलाशचन्द्र भाटिया एवं रचना भाटिया
14 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
15 सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16 हिन्दी भाषा की आर्थी संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
17 हिन्दी भाषा की शब्द संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
18 हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
19 हिन्दी भाषा की रूप संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
20 हिन्दी भाषा की ध्वनि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
21 हिन्दी भाषा की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
22 हिन्दी भाषा की सन्धि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23 हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
24 हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – डॉ. सूरजभान सिंह
25 हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण – डॉ. सूरजभान सिंह
26 हिन्दी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – डॉ. विजयराघव रेड्डी
27 हिन्दी भाषा–शिक्षण – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
28 हिन्दी भाषा और नागरी लिपि – डॉ. भोलानाथ तिवारी
29 अच्छी हिन्दी : कैसे बोलें, कैसे लिखें – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30 अच्छी हिन्दी – डॉ. रामचन्द्र वर्मा
31 शुद्ध हिन्दी – डॉ. हरदेव बाहरी
32 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

एम.ए. हिन्दी

द्वितीय सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

सत्र 2018–2019

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

निर्धारित पाठ्यक्रम

सत्र 2018–2019

CCT – 4 -		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास ।
CCT – 5 -		आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास ।
CCT – 6 -		भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र।
ECT – 2 -		(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी।
ECT – 2 -		(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास ।
ECT – 2 -		(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द।
ECT – 2 -		(4) भारतीय साहित्य।
ECT – 2 -		(5) राजभाषा–प्रशिक्षण।
ECT – 2 -		(6) भाषाशिक्षण।
EDC-2	-	Communication Skills
P-2	-	Group Disscution
CVV- 2	-	Comprehensive viva-Voce (Virtual)

CCT- 4

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 **व्याख्यांश : सूरदास**

भ्रमरगीत सार–संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पद क्रमांक 51 से 100

इकाई – 2 **व्याख्यांश –**

1 **तुलसीदास** रामचरितमानस – अयोध्याकाण्ड

दोहा क्रमांक 51 से 100

2 **बिहारी** बिहारी रत्नाकर – संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर

दोहा क्रमांक 1 से 50

इकाई – 3 सूरदास और तुलसीदास से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4

1 बिहारी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

2 भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशवदास से संबंधित लघूत्तरीय प्रश्न।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से दो व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होंगे तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ रामकुमार वर्मा।
3. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
4. उत्तर भारत की सन्त परम्परा – डॉ. परशुराम चतुर्वेदी।
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
6. सूरदास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
7. महाकवि सूरदास – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
8. सूर साहित्य – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
9. सूरदास – डॉ. हरवंशलाल शर्मा।
10. गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
11. तुलसीदास – डॉ. नन्दकिशोर नवल।
12. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
13. तुलसीदास – डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
15. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह।
16. मीरा का काव्य – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
17. मीराबाई की पदावली – (संपा) परशुराम चतुर्वेदी।

CCT- 5

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 व्याख्यांश –

1 **बाणभट्ट की आत्मकथा** – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 2 व्याख्यांश –

1 निबंध –

1 देश सेवा का महत्त्व – बालकृष्ण भट्ट

2 म्यूनिसीपलेटी के कारनामे – महावीरप्रसाद दिवेदी

3 काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था – रामचन्द्र शुक्ल

4 अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी

5 मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

6 निर्वासन और प्रिया नीलकठी – कुबेरनाथ राय

7 पगडंडियों का ज़माना – हरिशंकर परसाई

2 निर्धारित कहानियाँ

1 उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

2 पूस की रात – प्रेमचन्द

3 गुंडा – जयशंकर प्रसाद

4 अपना अपना भाग्य – जैनेंद्र कुमार

5 लंदन की एक रात – निर्मल वर्मा

6 राजा निरबंसिया – कमलेश्वर

7 सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

3 **पथ के साथी** – महादेवी वर्मा

इकाई – 3 बाणभट्ट की आत्मकथा और निर्धारित निबंध से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 निर्धारित कहानी और पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी निबंध, कहानी रेखाचित्र और संस्मरण के इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ मे निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध 5 लघूत्तरीय प्रश्न होंगे।

1. **निबन्धकार**– भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रतापनारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह।
2. **कहानीकार** – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत
3. **स्फुट ग्रंथ** – 1 अमृत राय (क़लम का सिपाही), 2 शिवप्रसाद सिंह (उत्तर योगी) 3 हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ) 4 राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़शास्त्र) 5 माखनलाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से दो व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होंगे तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ. त्रिभुवन सिंह।
2. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
3. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह।
4. हिन्दी उपन्यास – डॉ. रामदरश मिश्र।
5. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार – ठाकुरप्रसाद सिंह।
6. हिन्दी निबंध के आधार ग्रन्थ – हरिमोहन।
7. हिन्दी निबन्ध के रचना स्वर – डॉ. विजयबहादुर सिंह।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
9. द्वितीय समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
10. अमृतलाल नागर एवं अमृत और विष – डॉ. हरिमोहन बुधौलिया।

CCT- 6

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 प्लेटो : काव्य–सिद्धांत

अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत।

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई – 2 ड्राइडन के काव्यसिद्धांत।

वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।

कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

इकाई – 3 मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिंद्धात, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – 4 सिद्धांत और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

इकाई – 5 सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – रामपूजन तिवारी।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बली।
4. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन – डॉ. शिवकुमार मिश्र।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास और सिद्धांत – डॉ. भगीरथ मिश्र।
7. सर्जनात्मक भाषा और आलोचना – डॉ. बी.एल. आच्छा।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अनुशीलन – डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह, डॉ. संजयकुमार सिंह।

ECT- 2

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई – 1 मीडिया लेखन

1. जनसंचार – प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम – रेडियो,

   मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

इकाई – 2

1 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियों,) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य–माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा।

2 इंटरनेट सामग्री सृजन

इकाई – 3 अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

1 अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।

2 हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

3 कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।

4 जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।

5 विज्ञापन में अनुवाद।

6 वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई – 4 अनुवाद : प्रक्रिया

1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।
4. कार्यालयीन अनुवाद :– कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
5. पत्रों के अनुवाद।
6. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई – 5 अनुवाद : प्रक्रिया

1. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक,
2. बैंक साहित्य का अनुवाद।
3. विधि साहित्य का अनुवाद।
4. सारानुवाद।
5. दुभाषिया प्रविधि।
6. अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की

शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भग्रंथ

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

2 व्यावहारिक हिन्दी – महेन्द्र मित्तल।

3 अनुवाद क्या है – डॉ. भ. ह. राजूरकर।

4 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार।

5 अनुवाद : भाषाएँ, समस्याएँ – एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।

6 वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

7 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ – डॉ. सुरेश सिंहल।

8 काव्यानुवाद की समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

9 अनुवादकला – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

10 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

11 अनुवादकला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचन्द्र भाटिया।

12 भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवादः समस्याएँ और समाधान – संपा. कैलाशचन्द्र भाटिया।

13 अनुवादविज्ञान – डॉ. नगेन्द्र।

14 रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर।

15 पटकथा लेखन : एक परिचय – डॉ. मनोहरश्याम जोशी।

16 टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत एवं प्रभात रंजत।

17 रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार ।

18 रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।

19 जनसंचार : विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त।

20 हिन्दी विज्ञापनों की भाषा – आशा पाण्डेय।

21 आधुनिक पत्रकार कला – रा.ट. खण्डेलकर।

22 देवनागरी विमर्श : संपा डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा।

ECT-2

(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 आधुनिक काल : आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–2 द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–3 उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–4 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ–कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आदि।

इकाई–5 संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास। स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल

2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र

4 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा

5 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

6 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

7 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह

8 साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन

9 हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

10 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी

11 हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

ECT-2

(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 व्याख्यांश – 1 गबन

2 रंगभूमि

इकाई–2 व्याख्यांश – 1 कर्मभूमि

2 कहानियाँ – कफन, ईदगाह, पूस की रात, दो बैलों की कथा, नमक का दरोगा, कजाकी और सद्गति।

इकाई–3 गबन, रंगभूमि और कर्मभूमि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 प्रेमचन्द की निर्धारित कहानियों से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी कहानी की परम्परा और प्रेमचन्द।

इकाई–5 द्रुतपाठ–जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा और अमृतलाल नागर।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रेमचन्द एक विवेचन – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
2 प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरु।
3 कलम का मजदूर : प्रेमचन्द–मदनगोपाल।
4 प्रेमचन्द एक विवेचन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
5 प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा।
6 प्रेमचन्द – डॉ. गंगाप्रसाद विमल।
7 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
8 कमल का सिपाही – अमृत राय।
9 प्रेमचन्द और उनका साहित्य – डॉ. शीला गुप्त।
10 प्रेमचन्द की हिन्दी – उर्दू कहानियाँ – डॉ. कमलकिशोर गोयनका।
11 आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचन्द – सत्यकाम।
12 प्रेमचन्द : विरासत का सवाल – डॉ. शिवकुमार मिश्र।
13 प्रेमचन्द – प्रकाशचंद्र गुप्त।
14 गोदान – संपा. राजेश्वर गुरु।

ECT-2

(4) भारतीय साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **काव्य**।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **कथा साहित्य**।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **कथेतर साहित्य**।

इकाई–4 **कविता संग्रह : कोच्चि के दरख्त (मलयालम)– के. जी., शंकर पिल्लै**

(इस पुस्तक से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

इकाई–5 **नाटक : हयवदन (कन्नड़) – गिरीश कारनाड**

(इस नाटक से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 भारतीय साहित्य – संपा. डॉ. नगेन्द्र।

2 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – संपा डॉ. नगेन्द्र।

3 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्द्रनाथ चौधुरी।

4 भारतीय नाटक एवं रंगमंच – संपा. जगदीश चतुर्वेदी।

5 हिन्दी और मलयालम के दो सिम्बॉलिक (प्रतीकवादी) कवि –डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।

6 साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।

7 भारतीय वाङ्मय – डॉ. नगेन्द्र।

8 भारतीय साहित्य और कलाएँ – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।

9 मलयालम साहित्य : परख और पहचान – डॉ. आरसु।

10 मराठी साहित्य : परिदृश्य – डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर।

11 उर्दू कविता – फिराक गोरखपुरी।

12 उर्दू की इश्किया शायरी – फिराक गोरखपुरी।

13 नजीर की बानी – फिराक गोरखपुरी।

14 हिन्दी एवं कन्नड़ साहित्य की प्रमुख धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एन.एस. कृष्णमूर्ति।

ECT-2

(5) राजभाषा प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार।

कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या।

इकाई–2 हिन्दी कम्प्यूटरीकरण

हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद–निर्माण।

इकाई–3 हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्द।

केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मन्त्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।

इकाई–4 बैकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति।

विधिक क्षेत्र में हिन्दी।

इकाई–5 सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि।

भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य ।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 विश्वभाषा हिन्दी – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी।

2 राजभाषा हिन्दी – भोलानाथ तिवारी।

3 हिन्दी : सदियों से राजकाज में – महेशचन्द्र गुप्त।

4 कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल।

5 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।

6 व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

7 राजभाषा सहायिका – अवधेशमोहन गुप्त

8 राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश।

9 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।

10 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोकुमार रस्तोगी।

11 बैंकों में प्रयोगशील हिन्दी – अनिलकुमार तिवारी।

12 बैंकों में हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

13 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

14 हिन्दी की आधारभूत शब्दावली – वी.रा. जगन्नाथन्।

15 प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

16 व्यावहसायिक हिन्दी – महेन्द्र चतुर्वेदी और भोलानाथ तिवारी

17 देवनागरी विमर्श – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

ECT-2

(6) भाषाशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 भाषा–शिक्षण और अभिरचना अभ्यास : आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–2 व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि–विश्लेषण : आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात, व्यतिरेकी विश्लेषण की प्रक्रिया, व्यतिरेकी विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–3 त्रुटि–विश्लेषण–आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, त्रुटियों के स्रोत–अन्तरभाषा की अवधारणा, शिक्षार्थी व्याकरण की संकल्पना और त्रुटि–विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–4 भाषा–परीक्षण और मूल्यांकन, भाषा–शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियाँ। द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी भाषा–शिक्षण।

इकाई–5 हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी व्याकरण – काशीराम शर्मा
2 हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3 भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4 आधुनिक हिन्दी प्रयोग कोश – डॉ. बदरीनाथ कपूर
5 मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग – रमेशचन्द्र महरोत्रा
6 हिन्दी में अशुद्धियाँ – रमेशचन्द्र महरोत्रा
7 सम्प्रेषणमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
8 प्रयोगात्मक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
9 भाषा : संरचना एवं प्रयोग – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
10 प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
11 मानक हिन्दी : संकल्पना और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
12 मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
13 हिन्दी की मानक वर्तनी – कैलाशचन्द्र भाटिया एवं रचना भाटिया
14 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
15 सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16 हिन्दी भाषा की आर्थी संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
17 हिन्दी भाषा की शब्द संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
18 हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
19 हिन्दी भाषा की रूप संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
20 हिन्दी भाषा की ध्वनि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
21 हिन्दी भाषा की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
22 हिन्दी भाषा की सन्धि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23 हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
24 हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – डॉ. सूरजभान सिंह
25 हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण – डॉ. सूरजभान सिंह
26 हिन्दी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – डॉ. विजयराघव रेड्डी
27 हिन्दी भाषा–शिक्षण – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
28 हिन्दी भाषा और नागरी लिपि – डॉ. भोलानाथ तिवारी
29 अच्छी हिन्दी : कैसे बोलें, कैसे लिखें – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30 अच्छी हिन्दी – डॉ. रामचन्द्र वर्मा
31 शुद्ध हिन्दी – डॉ. हरदेव बाहरी
32 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा